Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

D—5005

PAPER—III

Time : 2½ hours]

INDIAN CULTURE

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : **32**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

INDIAN CULTURE

भारतीय संस्कृति

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

Between the fifth and seventh centuries we find a unified Gupta style of Buddhist art established in northern India, which we know especially from the images excavated at Sarnāth, again a dynastic site. But the accounts left by Chinese pilgrims describe numerous monastery-shrines throughout Bihār, Bengal, and Orissā, many of which have long disappeared, though a few have been located and excavated. There were 100-foot-high *stūpas* and multi-storied monasteries built of wood, brick, and stone; and each site was filled with images, large and small, cut in stone, modelled in terracotta or stucco, and cast in bronze. Many of them were, no doubt, intended as costly testimonials to personal piety, since 'multiplying images of the Buddha' was considered an act meritorious in itself. Among the excavated sites is the earliest of the great Buddhist universities, Nālandā in Bihār, which expanded later in a rather haphazard way. It consists of clustered courtyards and buildings of different patterns, including of course, *stūpas*, many of which were decorated with particularly fine stucco sculptures of Buddhas and Bodhisattvas.

Although the Chinese visitors recorded many flourishing Buddhist centres, they also recorded their dismay at the decline of Buddhism relative to Hindusim, the reasons for which are explained elsewhere. Even the Bodhi tree at Bodh Gayā was cut down in about A.D. 600 by a Hindu King and the shrine converted to Hindu uses. Buddhism was fighting, so to speak, its last rearguard battle in most regions of India. In the ninth century the great Hindu monist philosopher Sankarāchārya hastened the doctrinal defeat of Buddhism everywhere. But in one region of India, the north-east, including parts of Orissā, Buddhism flourished greatly under the patronage of the Pāla Dynasty (C. 750 - 1150) and took on a new and fascinating lease of artistic life, partly in direct response to the Hindu challenge. Other Buddhist universities were founded, notably at Vikramaśīla, and enormous effort was devoted to the elaboration of schools of philosophy, logic, ritual, medicine, and magic-to which, incidentally, Hindus were also admitted. The scholars gathered together all the available branches of learning into a monumental synthesis based upon certain medical and yogic symbolisms usually called Tantric. The art was a direct reflection of this syncretic activity. It developed systematic groupings of ideal figures to symbolize the various elements and processes in 'Reality' and Enlightenment, all focused around a set of five differentiated Buddha-principles.

पांचवीं और सातवीं शताब्दी के मध्य, हमें एकीकृत गुप्त शैली की बौद्ध कला, उत्तर भारत में स्थापित मिलती है। इन्हें हम मुख्यत: सारनाथ की मूर्त्तियां में उकेखि देखते है तथा शाही या राजाओं के राज्यक्षेत्रों में भी देख सकते हैं। चीनी तीर्थयात्रियों ने अनेक मठ और मंदिरों, मकबरों के विषय विवरण दिया है जो बिहार, बंगाल और उड़ीसा में थे जिनमें से अनेक बहुत पहले ही नष्ट हो गये थे, उनमें से कुछ का पता तो चला और उनकी खुदाई भी हुई। 100 फीट ऊँचे स्तूप तथा बहुमंजिले मठ भी थे, जो लकड़ी, ईंट और पत्थर से बनाये गये थे। हरेक स्थान मूर्त्तियों से भरे पड़े थे, कुछ बड़े, कुछ छोटे, पत्थरों को काटकर बनाये गये टेराकोटा और स्टोको (गचकारी) तथा तांबे में उकेरिता–1 निस्संदेह, इन में से कुछ व्यक्तिगत भक्ति की अमूल्य पहचान थे क्योंकि 'बुद्ध के गुणात्मक

रूपों' को उकरेना अपने आप में एक प्रतिभामय कार्य माना जाता था। उत्खनित क्षेत्रों में प्राचीन महान बौद्ध विश्वविद्यालय स्थापित थे ; जैसे बिहार के नालन्दा में, जो बाद में बिखरकर फैल गया। इसके अन्दर मिट्टी के आंगन थे तथा विभिन्न डिजाइन के मकान थे इसके अन्तर्गत ही स्तूप थे जिनमें बहुत से ऐसे थे जो विशेष प्रकार के महीन स्टको (गचकार) मूर्त्ति कला से सजाये गये थे, ये सभी मूर्त्तियाँ बुद्ध और बोधिसत्व की थीं।

चीनी यात्रियों ने अनेक समृद्धशाली बौद्ध-केन्द्रों के विषय लिखा तथा उन्होंने हिन्दुत्व की अपेक्षाकृत बौद्ध धर्म के पतनशील होने की व्याकुलता के विषय भी लिखा। जिनके कारणों के विषय दूसरी जगह चर्चा की गयी है। यहाँ तक कि प्राय: 600 ए.डी. में एक हिन्दू राजा के द्वारा बोधगया का बोधिवृक्ष काट दिया गया और बोधि मन्दिर का उपयोग हिन्दुओं के द्वारा किया जाने लगा। अत: यह कहा जा सकता है कि भारत वर्ष के अधिकांश स्थानों में बौद्धधर्म अपनी अन्तिम आत्मरक्षात्मक लड़ाई लड़ रहा था। उन्नासवीं शताब्दी में महान हिन्दू मठ के दार्शनिक शंकराचार्य ने बौद्धमत के सिद्धान्तों के पराजय का शीघ्रता से हर कहीं प्रचार कर दिया। लेकिन भारत के केवल एक प्रदेश में अर्थात् उत्तरपूर्व में तथा उड़ीसा के कुछ क्षेत्रों में बौद्धमत, पाल राज्य (सी 750-1150) के संरक्षण में समृद्ध होकर फला फूला तथा एक नये रूप में, कलासम्पन्न और आकर्षक जीवन की शर्त्त के रूप में विकसित हुआ। इसे अंशत: हिन्दुओं की चुनौती का सीधा उत्तर कहा जा सकता है। अन्य अनेक बोद्ध विश्वविद्यालय स्थापित हुए, उनमें विक्रमशिला उल्लेखनीय है, जहाँ दर्शन, तर्कशास्त्र, रीतिरिवाज, औषधि और जादू जैसे विषयों के विभिन्न, स्कूलों को खोला और उनके विकास करने के अनेक गंभीर प्रयास हुए ; संयोगवश इनमें हिन्दुओं को भी प्रवेश मिला। सभी विद्वान शिक्षार्थी एक साथ जमा होकर, सभी उपलब्ध ज्ञान की शाखाओं के महत्त्वपूर्ण संश्लेषणों पर विचार करते थे, जो वस्तुत: कुछ चिकित्सा, और योग के वैसे प्रतीकार्थ (संकेता) पर आधारित थे जिन्हें तांत्रिक कहा जाता है। वस्तुत: यह कला संश्लेषित क्रियाओं का स्पष्ट अनुचिन्तन था। इसने आदर्श रूपों के सुव्यवस्थित समूहीकरण को विकसित किया जो विभिन्न प्रकार के तत्वों तथा प्रक्रियाओं को 'यथार्थ' रूप में संकेतित करते थे तथा बुद्ध के विभिन्न पांच सिद्धान्तों के एक विशिष्ट समूह को दिग्दर्शित करते हुए उनका ज्ञान प्रदान करते थे।

1. What does the excavations at Sarnath reveal ?

सारनाथ में हुए उत्खनन से क्या जानकारी मिलती है?

2. In what way the description of the Chinese pilgrims is significant ?
चीनी तीर्थ यात्रियों के वृत्तांत किस प्रकार से महत्त्वपूर्ण है?

3. Why did the Chinese Visitors feel dismay ?
चीनी यात्रियों के हतोत्साहित होने का क्या कारण था?

4. How did Buddhism face its doctrinal defeat ?
बौद्धधर्म की सैद्धातिंक पराजय किस तरह सी हुई?

5. What were the distinguishing features of the university at Vikramashila ?
विक्रमशिला विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताएँ क्या थी?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What does the Great Bath at Mohenjodaro indicate ?

मोहनजोदाड़ो का महान् स्नानागार क्या संकेत करता है?

7. Describe the position of Varuna among the Vedic deities.
वैदिक देवताओं में वरूण की स्थिति बताइए।

8. Explain the term Dasa in the vedic literature.
वैदिक साहित्य में दास शब्द की व्याख्या कीजिए।

9. What is meant by the term Janapada ?
जनपद शब्द से क्या अभिप्राय है?

10. Why was the custom of Punarbhu introduced ?
पुनर्भू प्रथा का आरम्भ क्यों हुआ?

11. Explain the importance of the prenatal samskaras (sacraments).
जन्म से पूर्व के संस्कारों की महत्ता की व्याख्या कीजिए।

12. Give the concept of Maitreya in Buddhism ?
मैत्रेय के बारे में बौद्ध सिद्धान्त की विवेचना करें।

13. What was the process of rock-cut excavation ?
गुहा-तक्षण की क्या विधि थी ?

14. Explain the term Tantra.
तन्त्र शब्द की व्याख्या कीजिए।

15. Explain the philosophy of bheda - bheda advocated by Nimbarka.
निम्बार्क द्वारा प्रतिपादित भेद-भेद के दर्शन की व्याख्या करें?

16. Define the siyah - qalam technique used in the Mughal paintings.
मुगल चित्रकला के प्रयुक्त सियाह-कलम तकनीक को परिभाषित करें।

17. Why did Akbar devise the educational syllabus ?
अकबर ने शैक्षिक पाठ्यक्रम को क्यों परिवर्तित किया?

18. To what extent Gandhi combined tradition with modernity in his political movements ?
गांधीजी के राजनैतिक क्रियाकलापों में परम्परा व आधुनिकता का किस सीमा तक समन्वय था?

19. How is history related to Anthropology and Sociology ?
इतिहास किस प्रकार नृविज्ञान व समाज शास्त्र से सम्बन्धित है?

20. What are the basic features of Brahma - Samaj ?
ब्रह्म समाज की मौलिक (मुख्य) विशेषताएं क्या हैं?

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

21. Discuss the expansion of Indus Valley Civilization.
सिन्धु घाटी सभ्यता के विस्तार का विवेचन कीजिए।

22. Explain the doctrine of Pratityasamutapada.
प्रतीत्य-समुत्पाद के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

23. Explain the important features of the Mauryan court-art.
मौर्य-युगीन राज्य-आश्रित कला की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

24. What are the features of the gupta temple architecture ?
गुप्त मन्दिर स्थापत्य की विशेषताएँ क्या हैं?

25. How does Al-biruni describe the Antyajas ?
अल्बरूनी ने अन्त्यजों का किस प्रकार विवेचन किया है?

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

21. Discuss the contribution of South Indian Acharyas to Indian philosophy and religion.
दक्षिण भारतीय आचार्यों की भारतीय धर्म और दर्शन के क्षेत्र में क्या योगदान थी उसका वर्णन करें।

22. What were the stylistic developments in Indo-Islamic architecture ?
इन्डो-इस्लामिक स्थापक कला के शैलीय विकास क्या थे?

23. Do you agree with the statement that "Mughal painting at every changing phase of its development or decline reflected on the contemporary production of the Rajput Schools" ?
क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि ''मुगल चित्रकला ने अपने विकास और अवनति के हर परिवर्तित समय में समकालीन राजपूत चित्रकला स्कूलों की रचनाओं को प्रभावित किया''

24. Give an account of the developments in the field of Urdu literature during the Mughal period.
मुगल काल में उर्दु साहित्य के क्षेत्र में हुई प्रगति का वर्णन करें।

25. How far would you agree with the view that music declined during the post - Aurangzeb period ?
उत्तर-औरंगजेब काल में संगीत की अवनति हुई, इस कथन से आप कहाँ तक सहमत है?

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

21. To what extent the Dalit movements in India were able to contribute to the rise of political consciousness among the people ?
दलित आन्दोलनों ने भारत में राजनैतिक चेतना की जागृति में किस सीमा तक योगदान दिया?

22. What was the impact of British rule on Indian Economic structure ?
ब्रिटिश शासन का भारतीय आर्थिक संरचना में कितना प्रभाव था?

23. Assess the basic features of Indian cultural heritage.
भारतीय सांस्कृतिक विरासत की मुख्य विशेषताओं की समीक्षा करें।

24. What were the important results of the introduction of English education in India ?
भारत में अंग्रेजी शिक्षा के प्रचलन के मुख्य परिणाम क्या थे?

25. Estimate the role of Indian languages in the spread of national movement in India.
भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन में भारतीय भाषाओं की भूमिका का आकलन करें।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Write an essay on the travel accounts of the Chinese pilgrims to India.

भारत में आए चीनी यात्रियों के यात्रा विवरण पर निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Give an account of the developments in the field of Hindi literature during the Mughal period.

मुगल काल में हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में हुए विकास का विवरण दीजिए।

OR / अथवा

Elucidate how the Socio-Religions movements of the 19th Century contributes for the rise and growth of nationalism in India ?

भारत में राष्ट्रीयता के उद्‌भव व विकास में 19 वीं शती के सामाजिक व धार्मिक आन्दोलनों का क्या योगदान था?

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....